

जो यह कथा सनेह समेता ।
पढ़िहहिं सुनिहहिं समुझि सचेता ।।
हुइहैं चोंच चरन अनुरागी ।।
सब गुन करन चोंच गुण भागी ।।



प्रकाशक—

दीक्षित ब्रादर्स